



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 817]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, दिसम्बर 30, 1999/पौष 9, 1921

No. 817]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 30, 1999/PAUSA 9, 1921

श्रम मंत्रालय

(श्रमजीवी पत्रकारों हेतु वेतन बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1999

का.आ. 1309(अ).—जबकि श्रमजीवी पत्रकार एवं अन्य समाचार पत्र कर्मचारी (सेवा की शर्तें) एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1955 की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 2 सितम्बर, 1994 की अधिसूचना संख्या का.आ. 641(अ) के तहत श्रमजीवी पत्रकारों के संबंध में मजदूरी की दरें निर्धारित अथवा संशोधित करने के प्रयोजनार्थ श्रमजीवी पत्रकारों हेतु वेतन बोर्ड गठित किया था।

जबकि, उक्त बोर्ड ने अब श्रमजीवी पत्रकारों (समाचार पत्रों व समाचार एजेन्सियों) के संबंध में मजदूरी की दरों के अनंतिम प्रस्ताव किए हैं जिन्हें जनसामान्य के सूचनार्थ इस अधिसूचना की परिशिष्ट 'क' और 'ख' के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

समाचारपत्र प्रतिष्ठानों, समाचार एजेन्सियों, श्रमजीवी पत्रकारों और श्रमजीवी पत्रकारों के लिए मजदूरी की दरों के निर्धारण अथवा संशोधन में रूचि रखने वाले अन्य व्यक्तियों का आवाहन करते हुए यह नोटिस दिया जाता है कि वे अनंतिम प्रस्तावों के संबंध में ऐसी टिप्पणियां प्रस्तुत करें जिन्हें वे उचित समझते हों। उक्त टिप्पणियां, वेतन बोर्डों का कार्यालय, श्रम मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन (कमरा संख्या 112-113), नई दिल्ली के लिए भेजी जानी चाहिए, और भारत के राजपत्र में इस नोटिस को प्रकाशित किए जाने की तारीख से 6(छः) सप्ताह के भीतर उक्त कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए। इस नोटिस को प्रकाशित किए जाने की तारीख से सात सप्ताह की अवधि समाप्त हो जाने के बाद टिप्पणियों पर मौखिक सुनवाई की जाएगी। संबंधित पक्षकारों की मौखिक सुनवाई की तारीखों तथा सुनवाई स्थान, स्थल और समय की सूचना यथासमय दे दी जाएगी। केवल उन्हीं व्यक्तियों/पक्षकारों को मौखिक सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाएगा जो ऊपर वर्णित निर्धारित अवधि के भीतर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कर देंगे और सुनवाई करने के लिए लिखित में अनुरोध करेंगे।

समाचार पत्र प्रतिष्ठानों और समाचार एजेन्सियों को यह भी नोटिस दिया जाता है कि वे अनंतिम प्रस्तावों पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करते समय, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित सूचना भी प्रस्तुत करें—

1. कर्मचारियों (श्रमजीवी पत्रकार) की संख्या उनके पदनाम सहित
2. कर्मचारियों की (श्रेणी-वार) माह जनवरी, फरवरी और मार्च, 1998 की वेतन पंक्तियाँ
3. अनंतिम प्रस्तावों के अंतर्गत संशोधित वेतनमान और भत्तों तथा भविष्य निधि एवं उपदान जैसे सांविधिक दायित्वों के कारण भार तथा प्रत्येक अलग-अलग कर्मचारी अथवा कर्मचारियों के समूह के संबंध में फिटमेंट के आधार पर भार।

[फा. सं. पी-24032/2/99-डब्ल्यू.बी.]

जी.एस. राम, श्रम एवं रोजगार सलाहकार

परिशिष्ट-क

श्रमजीवी पत्रकारों

के लिए

मजदूरी दरों का अनंतिम प्रस्ताव

(समाचार एजेन्सी के श्रमजीवी पत्रकारों के अलावा)

अध्याय-एक

प्राक्कथन

लघु शीर्षक तथा प्रारम्भ :—(1) इस अनंतिम प्रस्ताव को मनीसाना (मजदूरी बोर्ड) प्रस्ताव कहा जाएगा।

(2) यह प्रस्ताव श्रेणी III और इससे ऊपर के समाचार पत्र प्रतिष्ठानों के संबंध में एक अप्रैल, 1998 को तथा श्रेणी IV से VIII तक के समाचार पत्र प्रतिष्ठानों के संबंध में एक जून, 1999 को प्रवर्तन में माना जाएगा।

2. परिभाषाएँ :— इस प्रस्ताव में जब तक निम्नलिखित का संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(1) "अधिनियम" का अर्थ है श्रमजीवी पत्रकार तथा अन्य समाचार पत्र कर्मचारी (सेवा की शर्तें) एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1955 (1955 का XLV);

(2) समाचार पत्र प्रतिष्ठान के मामले में किसी विशेष वर्ष के संदर्भ में प्रयुक्त "लेखा वर्ष" का अर्थ एक अप्रैल को प्रारम्भ होने वाले वर्ष के वित्तीय वर्ष से होगा। तथापि, यदि किसी समाचार पत्र प्रतिष्ठान का लेखा वर्ष वित्तीय वर्ष से भिन्न हो तो इसका अर्थ उस प्रतिष्ठान के उस लेखा वर्ष से होगा जिसका किसी विशेष वर्ष में आधे से अधिक भाग आता है। उन समाचार पत्र प्रतिष्ठानों के मामले में जिनका लेखा वर्ष 1 अक्टूबर से प्रारम्भ होता है, लेखा वर्ष उस वर्ष को माना जाएगा जिसमें प्रथम छमाही आती है।

उदाहरण :—यदि किसी समाचार पत्र प्रतिष्ठान का लेखा वर्ष 1 जनवरी, 1998 से प्रारम्भ होता है तो इस प्रस्ताव में लेखा वर्ष 1998 के संदर्भ को लेखा वर्ष 1998-99 के लिए संदर्भ के रूप में माना जाएगा। पुनः यदि समाचार पत्र प्रतिष्ठान का लेखा वर्ष 1 अक्टूबर से प्रारम्भ होता है तो इस प्रस्ताव में लेखा वर्ष 1998 के लिए संदर्भ को उक्त प्रतिष्ठान के लेखा-वर्ष 1998-99 के लिए संदर्भ के रूप में माना जाएगा।

(3) "मूल मजदूरी" का आशय निर्धारित वेतनमान में आहरित की गयी मजदूरी से है। इसमें गतिरोध वेतनवृद्धि शामिल है किन्तु इसमें विशेष वेतन, वैयक्तिक वेतन आदि जैसी अन्य प्रकार की किसी भी मजदूरी अथवा वेतन को शामिल नहीं किया जाता है।

(4) "श्रेणी" का आशय किन्हीं ऐसे समाचार-पत्र कर्मचारियों से है जिनका इस प्रस्ताव में विहित समूहों के अंतर्गत उल्लेख किया गया है।

(5) समाचार पत्र प्रतिष्ठान (समाचार एजेन्सी से भिन्न) के "सकल राजस्व" का आशय प्रतिष्ठान द्वारा अपने समाचार पत्र व्यवसाय के सभी स्रोतों से प्राप्त किए गए राजस्व से है। इसमें अपने समाचार पत्र अथवा समाचार पत्रों में प्रचालन तथा विज्ञापन और इसके द्वारा अर्जित की गयी परिसंपत्तियों तथा समाचार पत्र व्यवसाय में कमाई गई निधियों से किए गए निवेश से प्राप्त आय भी शामिल है।

स्पष्टीकरण: इस खण्ड के प्रयोजनार्थ:—

(i) परिचालन और विज्ञापन के संबंध में राजस्व को उस धनराशि के रूप में माना जाएगा जो वास्तविक रूप से अनुमत्य उस सीमा तक कमीशन काटे जाने के बाद प्राप्त हो जिस तक ऐसे अनुमत्य कमीशन की धनराशि तर्कसंगत हो।

(ii) तर्कसंगत कमीशन वह होता है जो किसी विशेष समाचार पत्र प्रतिष्ठान के मामले में आयकर प्राधिकारियों द्वारा अंतिम रूप से स्वीकार किया जाए। जिन मामलों में आयकर प्राधिकारियों का ऐसा कोई अंतिम निर्णय उपलब्ध न हो वहां परिचालन कमीशन संबंधित राजस्वों का 28 प्रतिशत और विज्ञापन संबंधी कमीशन 15 प्रतिशत होगा।

(6) "अनुसूची" का आशय इस प्रस्ताव के साथ संलग्न अनुसूची से है।

(7) "सारणी" का आशय इस प्रस्ताव के साथ संलग्न सारणी से है।

(8) "समाचार पत्र प्रतिष्ठान", "श्रमजीवी पत्रकार" और "गैर-पत्रकार समाचार पत्र कर्मचारी" शब्दों और अभिव्यक्तियों का अर्थ क्रमशः अधिनियम में उन्हें दिए गए अनुसार होगा।

अध्याय—दो

प्रस्ताव

3. समाचार पत्र प्रतिष्ठानों का वर्गीकरण :—गैर-पत्रकार समाचार पत्र कर्मचारियों के संबंध में मजदूरी की दरों को तय करने के प्रयोजनार्थ समाचार पत्र प्रतिष्ठानों को नीचे दी गयी व्यवस्था के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा :—

(क) समाचार पत्र प्रतिष्ठानों का वर्गीकरण 3 लेखा वर्षों 1995-96, 1996-97 और 1997-98 के औसतन सकल राजस्व के आधार पर किया जाएगा।

(ख) 3 लेखा वर्षों में से दो को पूरा करने वाले समाचार-पत्र प्रतिष्ठान के मामले में, इसके वर्गीकरण को उन दो वर्षों के लिए इसके औसत सकल राजस्व के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

(ग) उस समाचार पत्र प्रतिष्ठान के मामले में जिसने उक्त लेखा वर्षों का एक ही वर्ष पूरा किया है, इसका वर्गीकरण उक्त वर्ष के लिए इसके सकल राजस्व के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

(घ) नया समाचार पत्र प्रतिष्ठान अर्थात् कोई ऐसा समाचार पत्र प्रतिष्ठान, जिस पर उपर्युक्त खण्ड (क) के उपबंध लागू नहीं होते हैं, अपने प्रथम लेखा वर्ष को पूरा कर लेने के पश्चात् उक्त वर्ष के लिए इसके सकल राजस्व के आधार पर वर्गीकरण किए जाने का पात्र है।

यह प्रावधान किया जाए कि :—

उपर्युक्त खण्ड (ख), (ग) और (घ) में विहित किसी भी व्यवस्था के बावजूद, कोई ऐसा समाचार पत्र प्रतिष्ठान जिसे 2 लेखा वर्षों के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा उसे उस श्रेणी से एक श्रेणी नीचे रखा जाएगा जिसमें रखे जाने का वह पात्र है और जिस समाचार पत्र प्रतिष्ठान का एक लेख वर्ष के आधार पर वर्गीकरण किया जाएगा उसे दो श्रेणी नीचे रखा जाएगा। किसी भी मामले में, यह श्रेणी VIII से नीचे नहीं रखा जाएगा।

यह भी प्रावधान किया जाए कि :—

जहाँ कोई वर्गीकृत समाचार पत्र प्रतिष्ठान किसी ऐसे नए केन्द्र से अपने किसी पुराने समाचार पत्र को निकालता है जहाँ इसका कोई अन्य समाचार पत्र प्रकाशन नहीं है वहाँ जहाँ तक संबद्ध नए केन्द्र का संबंध है इसे प्रथम 2 लेखा वर्षों के लिए एक श्रेणी नीचे रखा जाएगा जिसमें इसके कुल सकल राजस्व के आधार पर रखे जाने का यह पात्र होगा, और कोई वर्गीकृत समाचार पत्र प्रतिष्ठान जो किसी ऐसे केन्द्र से एक नए समाचार पत्र को प्रारम्भ करता है जहाँ इसका कोई अन्य समाचार पत्र प्रकाशन नहीं है वहाँ उसे नए केन्द्र में तीन लेखा वर्षों के लिए एक श्रेणी नीचे रखा जाएगा। किसी भी मामले में, जहाँ तक नए केन्द्र का संबंध है, इसे श्रेणी VIII से नीचे नहीं रखा जाएगा।

4. वर्गीकरण को जारी रखना :—इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार निर्धारित किए गए वर्गीकरण को तब तक जारी रखा जाएगा जब तक कि इस अध्याय के पैरा 7 के उपबंधों के अनुसार उक्त समाचार पत्र प्रतिष्ठान का पुनर्वर्गीकरण न कर दिया जाए।

5. स्वामित्व में परिवर्तन :—यदि किसी समाचार पत्र प्रतिष्ठान के स्वामित्व को किसी एक व्यक्ति द्वारा किसी दूसरे व्यक्ति के लिए स्थानांतरित किया जाता है तो इस अध्याय के पैरा 3 और 4 के उपबंध ऐसे समाचार पत्र प्रतिष्ठान पर लागू होंगे मानो पूर्व मालिक के अंतर्गत संगत लेखा वर्षों के लिए समाचार-पत्र प्रतिष्ठान का सकल राजस्व नए मालिक के अंतर्गत उन वर्षों का राजस्व था।

6. समाचार पत्र प्रतिष्ठानों की श्रेणियाँ :—समाचार पत्र प्रतिष्ठानों को इस अध्याय के पैरा 3 (क) के अनुसार उनके सकल राजस्व के आधार पर निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाएगा।

श्रेणी सकल राजस्व

- | | |
|------|--|
| I बी | 600 करोड़ रुपए और अधिक |
| I ए | 200 करोड़ रुपए और अधिक किन्तु 600 करोड़ रुपए से कम |
| I | 50 करोड़ रुपए और अधिक किन्तु 200 करोड़ रुपए से कम |
| II | 25 करोड़ रुपए और अधिक किन्तु 50 करोड़ रुपए से कम |

श्रेणी	सकल राजस्व
III	10 करोड़ रुपए और अधिक किन्तु 25 करोड़ रुपए से कम
IV	5 करोड़ रुपए और अधिक किन्तु 10 करोड़ रुपए से कम
V	2 करोड़ रुपए और अधिक किन्तु 5 करोड़ रुपए से कम
VI	1 करोड़ रुपए और अधिक किन्तु 2 करोड़ रुपए से कम
VII	50 लाख रुपए और अधिक किन्तु 1 करोड़ रुपए से कम
VIII	50 लाख रुपए से कम।

स्पष्टीकरण:— इस खण्ड के प्रयोजनार्थ, —

(क) श्रेणी-VIII के अंतर्गत आने वाले समाचार पत्र प्रतिष्ठान के अलावा किसी समाचार पत्र प्रतिष्ठान द्वारा लिये गये परिचालन और विज्ञापन दोनों के कुल राजस्व में से यदि विज्ञापन का राजस्व ऊपर वर्णित राजस्व के 55% से कम है तब इसे उस श्रेणी से एक श्रेणी नीचे रखा जाना चाहिए जिसमें अपने कुल औसत सकल राजस्व के आधार पर वह आएगा।

(ख) श्रेणी-VIII के अंतर्गत आने वाले समाचार पत्र प्रतिष्ठान के अलावा किसी समाचार पत्र प्रतिष्ठान द्वारा लिये गये परिचालन और विज्ञापन दोनों के कुल राजस्व में से यदि विज्ञापन राजस्व ऊपर वर्णित राजस्व के 45% से कम है तब इसे उस श्रेणी से दो श्रेणी नीचे रखा जाना चाहिए जिसमें अपने कुल सकल राजस्व के आधार पर वह आएगा।

(ग) श्रेणी-VIII में आने वाले समाचार पत्र के अलावा किसी ऐसे समाचार पत्र प्रतिष्ठान, जो संविधान की VIIIवीं अनुसूची में वर्णित किसी भारतीय भाषा में किसी जिले के कस्बे से कोई समाचार पत्र प्रकाशित करता है और जिसके दो से अधिक प्रकाशन नहीं हैं तथा जिसका विज्ञापन संबंधी राजस्व, कुल सकल राजस्व के 60% से कम है तो उसे उस श्रेणी से एक श्रेणी नीचे रखा जाएगा जिसमें अपने कुल सकल राजस्व के आधार पर वह आएगा।

(घ) कोई भी समाचार पत्र प्रतिष्ठान श्रेणी-VIII से नीचे नहीं समझा जाएगा।

7. **पुनर्वर्गीकरण :**—नियोजक या कर्मचारियों दोनों में से कोई भी पिछले 3 लेखा वर्षों के औसत कुल राजस्व के आधार पर लेखा वर्ष 1998-99 के बाद किसी भी समय किसी समाचार पत्र के पुनः वर्गीकरण की मांग कर सकते हैं परन्तु इस प्रकार के वर्गीकरण की मांग 3 लगातार लेखा वर्षों की किसी भी अवधि में एक बार से अधिक बार नहीं की जानी चाहिए।

8. **श्रमजीवी पत्रकारों का समूहीकरण :**—(1) नियमित संघर्ष के श्रम जीवी पत्रकारों अर्थात् श्रेणी I से VII तक के समाचार पत्र प्रतिष्ठानों में पूर्णकालिक कर्मचारियों को प्रथम अनुसूची और श्रेणी VIII के कर्मचारियों को दूसरी अनुसूची में रखा जाएगा।

(2) श्रम जीवी पत्रकारों की विभिन्न श्रेणियों की कार्यात्मक परिभाषाएं तीसरी अनुसूची में वर्णित हैं।

9. **संशोधित वेतनमान :**—समाचार पत्र प्रतिष्ठानों की भिन्न-भिन्न श्रेणियों में श्रमजीवी पत्रकारों के प्रत्येक समूह के संशोधित वेतनमान सारणी I में निर्धारित किए गए हैं।

10. **संशोधित वेतनमान में वेतन का आहरण :**—(1) यदि इस प्रस्ताव में अन्यथा प्रावधान न किया जाए तो एक समाचार पत्र कर्मचारी उस समूह के लिए लागू संशोधित वेतनमान में वेतन प्राप्त करेगा जिस समूह से वह संबंधित है।

(2) प्रत्येक अंशकालिक संवाददाता/फोटोग्राफर को उसी स्तर पर के पूर्णकालिक संवाददाता/फोटोग्राफर के लिए लागू मूल वेतन जमा मंहगाई भत्ते के 40 प्रतिशत, यदि जिला मुख्यालय और उच्चतम कार्यालय में तैनात हो और 1/3 यदि वह जिला मुख्यालय से अधीनस्थ कार्यालय में तैनात हो, से कम भुगतान नहीं किया जाना चाहिए। बशर्ते कोई अंशकालिक संवाददाता/फोटोग्राफर दो समाचार पत्र प्रतिष्ठानों से अधिक में काम न करें। इसके अतिरिक्त, उसे कालम आधार पर भुगतान किया जाएगा जिसकी दर आपसी बातचीत द्वारा निर्धारित की जानी होगी।

11. **मंहगाई भत्ता :—**

(1) मंहगाई भत्ते की गणना करने और निष्प्रभावीकरण दर संबंधी फार्मूले सारणी-II में निर्धारित किए गए हैं।

(2) मंहगाई भत्ते की दर निर्धारित करने के लिए इस तिमाही के आंकड़े प्राप्त होते ही जिसके लिए औसत क्षेत्रीय सूचकांक का प्रयोग किया जाता है मंहगाई भत्ता संस्वीकृत कर दिया जाए। मंहगाई भत्ते की दर निर्धारित करने के लिए तिमाही जिसके लिए औसत क्षेत्रीय सूचकांक का प्रयोग किया जाएगा, के तत्काल बाद वाली के तिमाही आरम्भ से मंहगाई भत्ता देय हो जाएगा।

बशर्ते कि ऐसा कार्यस्थान जिसके लिए, किसी क्षेत्र के औद्योगिक कामगार संबंधी अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के रूप में श्रम ब्यूरो, शिमला द्वारा समेकित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या उपलब्ध नहीं है, वहां निकटतम केन्द्र के उ.म.सू. को अपनाया जाना चाहिए और जहां ऐसा केन्द्र नहीं है वहां उक्त राज्य की राजधानी के उ.म.सू. को अपनाया जाना चाहिए। तथापि, यदि राज्य की राजधानी में कोई क्षेत्रीय उ.म.सू. न हो तो राज्य के किसी केन्द्र के उ.म.सू. जो सबसे अधिक हो, को अपनाया जाएगा।

(3) औसत अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 1813 (1960 = 100) के संदर्भ में महंगाई भत्ते की संशोधित दरें श्रेणी-III और ऊपर के लिए जनवरी से मार्च 1998 की तिमाही के लिए औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (1960 = 100) के आधार पर 1-4-98 से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 1813 (1960 = 100) पर प्रवर्ती हो जाएगी और श्रेणी-IV से VIII के लिए मार्च से मई, 1999 की तिमाही के लिए औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (1960 = 100) के आधार पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 1813 (1960 = 100) पर प्रवर्ती हो जाएगी।

12. **मकान किराया भत्ता :**—समाचार पत्र प्रतिष्ठानों द्वारा संबंधित क्षेत्रों में तैनात कर्मचारियों को सारणी III में निर्धारित किए गए मकान किराया भत्ते का भुगतान किया जाएगा :

बशर्ते कि —

- (1) जहां समाचार पत्र प्रतिष्ठान द्वारा किसी कर्मचारी को आवास प्रदान किया गया हो वहां कोई मकान किराया भत्ता देय नहीं होगा।
- (2) यदि किसी कर्मचारी को मकान किराया भत्ते का भुगतान किया जा रहा हो तो उसका इस प्रावधान के अंतर्गत देय मकान किराया भत्ते की राशि के साथ समायोजन किया जाएगा।
- (3) जहां कोई समाचार पत्र प्रतिष्ठान किसी कर्मचारी की ओर से किसी निधि में किसी राशि का अंशदान करता है, जिससे वह कर्मचारी अपना स्वयं का आवास ले सके तो ऐसी राशि को इस प्रावधान के अंतर्गत देय मकान किराया भत्ते से समायोजित किया जाएगा।

13. **नगर प्रतिकर भत्ता**—समाचार पत्र प्रतिष्ठानों द्वारा संबंधित क्षेत्रों में तैनात कर्मचारियों को सारणी IV में निर्धारित किए गए मकान किराया भत्ते का भुगतान किया जाएगा।

14. **रात्रि पारी भत्ता**—समाचार पत्र प्रतिष्ठान द्वारा अपने कर्मचारियों को सारणी V में निर्धारित की गई दरों पर रात्रि पारी भत्ते का भुगतान किया जाएगा।

15. **चिकित्सा भत्ता**—सारणी VI में निर्धारित की गई दरों पर समाचार पत्र प्रतिष्ठान द्वारा चिकित्सा भत्ते का भुगतान उन कर्मचारियों को किया जाएगा जो कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा शामिल नहीं किए गए हैं।

16. **शिक्षा भत्ता**—कर्मचारी को सारणी VII में निर्धारित की गई दरों पर विद्यालय स्तर तक की शिक्षा हेतु विद्यालय जाने वाले दो बच्चों के लिए शिक्षा भत्ते का भुगतान किया जाएगा।

17. **विषम परिस्थिति भत्ता**—समुद्र तल से 5000 फीट (1524 मीटर) ऊंचाई पर पहाड़ी क्षेत्र या किसी अशांत क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी को 250 रुपये प्रति माह की एक मुश्त राशि का भुगतान किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—इस पैरा के प्रयोजन के लिए “अशांत क्षेत्र” का अर्थ है संगत अधिनियम के अंतर्गत समुचित सरकार अर्थात् राज्य सरकार अथवा केन्द्रीय सरकार, जैसा भी मामला हो, द्वारा घोषित अशांत क्षेत्र।

18. **छुट्टी यात्रा भत्ता**—कर्मचारी को सारणी VIII में निर्धारित की गई दरों पर छुट्टी यात्रा भत्ते का भुगतान किया जाएगा।

19. **संशोधित वेतनमान में आरंभिक वेतन का निर्धारण**—संशोधित वेतनमान में किसी कर्मचारी का आरंभिक वेतन निम्नलिखित प्रकार से निर्धारित किया जाएगा—

- (क) नवनियुक्त कर्मचारियों के लिए संशोधित वेतनमान में वेतनमान के न्यूनतम पर वेतन निर्धारित होगा।
- (ख) प्रतिष्ठान में पहले से ही कार्य कर रहे कर्मचारियों के मामले में संशोधित वेतनमान में वर्तमान परिलब्धि से अगली अवस्था पर वेतन निर्धारित होगा।
- (ग) यदि संशोधित वेतनमान का न्यूनतम कर्मचारी द्वारा वर्तमान में ली जा रही परिलब्धियों की राशि से अधिक है तब संशोधित वेतनमान के न्यूनतम पर वेतन निर्धारित होगा।
- (घ) यदि कर्मचारी की वर्तमान परिलब्धियां संशोधित वेतनमान के न्यूनतम से अधिक हैं, तब संशोधित वेतनमान के न्यूनतम में वेतन वृद्धियां जोड़ते हुए, संशोधित वेतनमान में अगली उच्चतम अवस्था पर उसका वेतन निर्धारित करते हुए, वेतन निर्धारित होगा।
- (ङ) प्रत्येक कर्मचारी को प्रस्ताव के आरम्भ होने की तारीख से तत्काल पहले धारित किए गए पद पर प्रत्येक तीन वर्ष की सेवा पूर्ण करने के लिए संशोधित वेतनमान में एक वेतन वृद्धि दी जाएगी।

- (घ) संबंधित कर्मचारी द्वारा उस प्रतिष्ठान में किसी भी अन्य पद पर की गई सेवा, जिसके वेतनमान का न्यूनतम, कर्मचारी ने जिसमें कार्य किया हो उस वेतनमान के न्यूनतम के 30 प्रतिशत से अधिक कम न हो, को भी हिसाब में लिया जाएगा।
- (छ) वेतन वृद्धियों की कुल संख्या दो से अधिक नहीं होगी।
- (ज) किसी भी कर्मचारी को संशोधित वेतनमान से अधिक नहीं मिलेगा।
- (झ) सभी कर्मचारियों के लिए संशोधित वेतनमान प्रवर्तन की तिथि से लागू होंगे। तथापि, अधिनियम की धारा 12 के अंतर्गत इन सिफारिशों को प्रभावी करते हुए सरकारी अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से तीन सप्ताह के भीतर यदि कोई कर्मचारी वर्तमान वेतनमान और "वर्तमान परिलब्धियां" रखने का विकल्प चुनता है तो वह वर्तमान वेतनमान और ऐसी परिलब्धियां बनाए रखने का पात्र होगा।

स्पष्टीकरण : (क) किसी कर्मचारी की "वर्तमान परिलब्धियां" का अर्थ होगा उसका मूल वेतन, अखिल भारतीय बंधुभोक्ता मूल्य सूचकांक 1813 (आधार 1960 = 100) पर परिवर्ती महंगाई भत्ता और 1 जनवरी, 1998 को अंतरिम राहत यदि कोई हो।

(ख) किसी कर्मचारी की "अतिरिक्त परिलब्धियां" का अर्थ होगा खण्ड (क) में निर्धारित सामूहिक सौदेकारिता अनुबंध अथवा अधिनियम के परिणामस्वरूप मूल वेतन, महंगाई भत्ते या अंतिम राहत के रूप में समाचार पत्र प्रतिष्ठान द्वारा स्वीकृत "वर्तमान परिलब्धियों" के अलावा।

(ग) किसी कर्मचारी के "अतिरिक्त भत्ते" का अर्थ होगा कोई भी मासिक भुगतान चाहे किसी नाम से पुकारा जाए, जो किसी विशिष्ट प्रयोजन से समबद्ध न हो और न ही वेतन या महंगाई भत्ते के किसी संशोधन के साथ समायोजित किए जाने के लिए जिस पर सहमति हुई हो।

20. बकायों के भुगतान का ढंग—पूर्वव्यापी प्रचालन के परिणामस्वरूप देय बकायों, यदि कोई हो, का भुगतान निम्नानुसार अठारह माह में तीन बराबर किस्तों में किया जाना चाहिए—

- (क) अधिनियम की धारा 12 के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के आदेश के प्रकाशन की तिथि से छः मास के भीतर बकायों की पहली किस्त।
- (ख) अगले छः मास बाद बकायों की दूसरी किस्त, और
- (ग) अगले छः मास बाद बकायों की तीसरी किस्त।

प्रथम अनुसूची

(श्रमजीवी पत्रकारों का समूहीकरण, श्रेणी I बी से VII)

वर्ग 1—सम्पादक

वर्ग 1ए—कार्यकारी सम्पादक, रेजिडेंट सम्पादक, एसोसिएट सम्पादक, संयुक्त सम्पादक, उप-सम्पादक।

वर्ग 1बी—सहायक सम्पादक, मुख्य लेखक, समाचार ब्यूरो का प्रमुख, समाचार सम्पादक, विशेष संवाददाता।

वर्ग 2— उप या सहायक समाचार सम्पादक, प्रमुख रिपोर्टर, प्रमुख उप-सम्पादक, खेलकूद संबंधी सम्पादक, वाणिज्यिक सम्पादक, फिल्म सम्पादक, पत्रिका सम्पादक, व्यंग्य चित्रकार, सांख्यिकीय या अनुसंधान प्रभाग का प्रमुख, प्रमुख समाचार पत्र फोटोग्राफर, प्रमुख पुस्तकाध्यक्ष, प्रमुख सूची सहायक, प्रमुख कैलीग्राफिस्ट, प्रमुख आर्टिस्ट राज्य सरकार की अधिकृत राज्य की राजधानियों में प्रधान संवाददाता, विशेष संवाददाता तथा अन्य अनुभागीय या बैच प्रमुखों से इतर केन्द्र सरकार के अधिकृत संवाददाता जिनमें उच्च श्रेणी में नहीं रखा गया है।

वर्ग 2ए— उप प्रमुख उप-सम्पादक या वरिष्ठ उप सम्पादक, उप प्रमुख रिपोर्टर या वरिष्ठ रिपोर्टर, वरिष्ठ संवाददाता, वरिष्ठ कैलीग्राफिस्ट, वरिष्ठ आर्टिस्ट, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष तथा वरिष्ठ सूची सहायक।

वर्ग 3— उप-सम्पादक, रिपोर्टर, संवाददाता समाचार फोटोग्राफर आर्टिस्ट, काटिबस सहित कैलीग्राफिस्ट, पुस्तकाध्यक्ष, सूची सहायक, प्रमुख प्रूफ रीडर।

वर्ग 3ए— विज्ञापन प्रूफ रीडर, सहित प्रूफ रीडर।

वर्ग 4—किसी अन्य वर्ग के अधीन उल्लिखित से इतर सभी श्रमजीवी पत्रकार, यदि उन्हें प्रतिष्ठानों द्वारा उच्च स्तर पर नियुक्त नहीं किया जाता।

टिप्पणी :

- (1) समाचार पत्र के किसी भी कर्मचारी को उसी वर्ग का श्रमजीवी पत्रकार माना जाएगा, अनुसूची में उल्लिखित जिस वर्ग के जैसा वह कार्य करता हो, भले ही उसका पदनाम अनुसूचियों में उल्लिखित पदनाम से भिन्न ही क्यों न हो।
- (2) यह आवश्यक नहीं कि अनुसूची में उल्लिखित कर्मचारियों की सभी श्रेणियां हर वर्ग के समाचार पत्र प्रतिष्ठान में हों हों।

द्वितीय अनुसूची**(श्रमजीवी पत्रकारों का वर्गीकरण, वर्ग VIII)**

वर्ग 1 सम्पादक

वर्ग 1बी सहायक सम्पादक, प्रमुख लेखक, समाचार सम्पादक, विशेष संवाददाता।

वर्ग 2 प्रमुख उप-सम्पादक, प्रमुख रिपोर्टर, खेल-कूद संबंधी सम्पादक, वाणिज्यिक सम्पादक, व्यंग्य चित्रकार, सांख्यिकीय प्रभाग का प्रमुख, अनुसंधान प्रभाग का प्रमुख, राज्य सरकार अधिकृत राज्य की राजधानियों के प्रधान संवाददाता, विशेष संवाददाता से इतर केन्द्र सरकार के अधिकृत संवाददाता

वर्ग 3 उप-सम्पादक, रिपोर्टर, संवाददाता, समाचार फोटोग्राफर, कैलिग्राफिक्स, आर्टिस्ट, पुस्तकाध्यक्ष, सूची तथा प्रमुख प्रूफ रीडर।

वर्ग-3ए प्रूफ रीडर।

वर्ग-4 किसी अन्य वर्ग के अधीन उल्लिखित से इतर सभी श्रम-जीवी पत्रकार-यदि उन्हें प्रतिष्ठानों द्वारा उच्च स्तर पर नियुक्त नहीं किया जाता।

टिप्पणी :

- (1) समाचार पत्र के किसी भी कर्मचारी को उसी वर्ग का श्रमजीवी पत्रकार माना जाएगा, अनुसूची में उल्लिखित जिस वर्ग के जैसा वह कार्य करता हो, भले ही उसका पदनाम अनुसूचियों में उल्लिखित पदनाम से भिन्न ही क्यों न हो।
- (2) अनुसूची में उल्लिखित कर्मचारियों की सभी श्रेणियां हर समाचार प्रतिष्ठान में हो भी सकती हैं और नहीं भी।

तृतीय अनुसूची

वर्ग-1

‘सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो समाचार पत्र के सम्पादकीय भाग के लिए निर्देश देता है तथा उसका निरीक्षण करता है।

वर्ग-1 ए

‘कार्यकारी सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो समाचार पत्र के सम्पादन कार्यों तथा प्रकाशन कार्यों में सहयोग करता है, चाहे वह रेजिडेंट सम्पादक, सहायक सम्पादक आदि के कार्य का निरीक्षण करता है या नहीं।

‘रेजिडेंट सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो उस श्रेणी के अतिरिक्त, जहां से समाचारपत्र मूल रूप से प्रकाशित होता था, दूसरे केन्द्र में समाचारपत्र के सम्पादक के कार्यों का निष्पादन करता है।

‘सह-सम्पादक’ या ‘संयुक्त सम्पादक’ या ‘उप-सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो सामान्यतः सम्पादक के कार्य निष्पादन में सम्पादक की सहायता करता है।

वर्ग-1 बी

‘सहायक सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो नियमित रूप से टीका-टिप्पणियों तथा राय से संबंधित अपने कर्तव्यों को करने में सम्पादक को सहयोग करता है तथा सम्पादकीय लिखता है तथा पुनरीक्षण, टिप्पणी या आलोचना से संबंधित अन्य प्रति भी तैयार कर सकता है।

‘सम्पादकीय लेखक’ वह व्यक्ति है जो नियमित रूप से सम्पादकीय लिखता है तथा पुनरीक्षण, टिप्पणी या आलोचना से संबंधित अन्य प्रति भी तैयार कर सकता है।

‘समाचार सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो समाचार विभाग के कार्य का समन्वय तथा निरीक्षण करता है तथा समाचार पत्र के सभी संस्करणों के समाचार विषय के लिए उत्तरदायी है।

‘समाचार ब्यूरो का प्रमुख’ वह व्यक्ति है जो समाचार ब्यूरो के कार्य का निरीक्षण करता है तथा ब्यूरो के सदस्यों का कार्य निर्धारित करता है।

‘विशेष संवाददाता’ वह व्यक्ति है जिसके कर्तव्यों में नियमित रूप से केन्द्र सरकार के मुख्यालय या विदेशी केन्द्र के अधिकृत संवाददाता अथवा अन्यथा के रूप में अपने कर्तव्यों में नियमित रूप से संसद संबंधी, राजनीतिक तथा सामान्य महत्व के सभी समाचारों की रिपोर्ट देना तथा उनका प्रतिपादन करना शामिल है या जो एक से अधिक राज्य अथवा ऐसे किसी अन्य स्थान पर इसी प्रकार के कार्य नियमित रूप से करता है।

वर्ग-2

‘उप या सहायक समाचार सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो सम्पादक को सामान्यतः उनके कार्य करने में सहायता करता है तथा/या नगर संस्करण प्रकाशित करने का इंचार्ज है।

‘प्रमुख रिपोर्टर’ वह व्यक्ति है जो प्रकाशन के केन्द्र में सभी रिपोर्टों का इंचार्ज है, उनके कार्य का निरीक्षण करता है तथा विधायी, राजनीतिक या सामान्य महत्व के सभी समाचारों की रिपोर्टिंग तथा विश्लेषण भी नियमित रूप से करता है।

‘प्रमुख उप सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो समाचार डेस्क पारी कार्यभार ग्रहण करता है, एक या अधिक उप सम्पादकों के कार्य का आबंटन तथा निरीक्षण करता है तथा समाचार पत्र या उसके किसी विशेष संस्करण या उसके भाग में समाचार स्थान के निर्धारण तथा समाचार के सामान्य प्रदर्शन के लिए उत्तरदायी है।

‘खेल कूद संबंधी सम्पादक’ समाचार पत्र के खेलकूद अनुभाग का इंचार्ज होता है, खेल कूद संबंधी समाचार तथा संबद्ध क्रियाकलापों पर कार्यवाही करता है तथा एक या अधिक रिपोर्टों तथा एक या अधिक उप सम्पादकों के कार्य का निरीक्षण करता है तथा सामान्यतः समाचार के स्थान तथा खेलकूद संबंधी समाचार के सामान्य प्रदर्शन के लिए उत्तरदायी होता है।

‘वाणिज्यिक सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो वाणिज्य, वित्त, व्यवसाय तथा उद्योग से संबंधित समाचार तथा विचारों पर कार्यवाही करता है तथा उन पर टिप्पणी करता है तथा एक या अधिक रिपोर्टों के कार्य का आबंटन तथा निरीक्षण करता है।

‘फिल्म सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो फिल्मों तथा मंच से संबंधित समाचार तथा विचारों पर कार्यवाही करता है तथा मंच एवं चलचित्र के बारे में विशेष कालम या पृष्ठ का इंचार्ज होता है तथा एक या अधिक रिपोर्टों के कार्य का निरीक्षण करता है।

‘पत्रिका सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो समाचार के साहित्यिक या मनोरंजन विषयों से संबंधित समाचारों तथा विचारों पर कार्यवाही करता है तथा साहित्यिक या ऐसे अन्य संबद्ध विषयों के संबंध में विशेष कॉलमों या पृष्ठ का इंचार्ज होता है तथा दो या अधिक श्रमजीवी पत्रकारों के कार्य का निरीक्षण करता है।

‘व्यंग्य चित्रकार’ वह व्यक्ति है जो व्यंग्यों तथा उपहासचित्रों के माध्यम से समाचारों तथा घटनाओं पर टिप्पणी करता है।

‘सांख्यिकीय या अनुसंधान प्रभाग का इंचार्ज’ वह व्यक्ति होता है जो वित्तीय समाचार पत्र में वाणिज्य, वित्त, व्यवसाय तथा उद्योग से संबंधित मामलों पर कार्यवाही करता है तथा एक या अधिक श्रमजीवी पत्रकारों के कार्य का निरीक्षण करता है।

‘प्रमुख समाचार फोटोग्राफर’ वह व्यक्ति है जो एक या अधिक समाचार फोटोग्राफरों के कार्य का आबंटन तथा निरीक्षण करता है।

‘प्रमुख पुस्तकाध्यक्ष’ या ‘प्रमुख सूची सहायक’ या ‘प्रमुख कैलीग्राफिस्ट’ या ‘प्रमुख आर्टिस्ट’ वह व्यक्ति है जो क्रमशः एक या अधिक पुस्तकाध्यक्षों, सूची सहायकों, कैलीग्राफिस्टों या आर्टिस्टों के कार्य का निरीक्षण करता है।

‘प्रमुख संवाददाता’ वह संवाददाता है जो राज्य सरकार के द्वार अधिकृत है तथा संवाददाता वह व्यक्ति है जो विशेष संवाददाता तथा अन्य अनुभागीय या बैच प्रमुखों के अलावा केन्द्र सरकार द्वारा अधिकृत है।

वर्ग-2ए

‘उपप्रमुख या उप सम्पादक’ या ‘वरिष्ठ उप सम्पादक’ वह व्यक्ति है जो प्रमुख उप सम्पादक को उसके कर्तव्यों के निष्पादन में नियमित रूप से सहायता करता है तथा उसकी अनुपस्थिति में उप सम्पादक के स्थान पर कार्य करता है।

‘प्रमुख उप रिपोर्टर’ या ‘वरिष्ठ रिपोर्टर’ वह व्यक्ति है जो प्रमुख रिपोर्टर की सहायता करता है तथा उसकी अनुपस्थिति में उसके स्थान पर कार्य करता है।

‘वरिष्ठ संवाददाता’ वह व्यक्ति है जो विशेष या प्रधान संवाददाता के अतिरिक्त है, जिसके कर्तव्यों में प्रकाशन के केन्द्र के अतिरिक्त किसी केन्द्र में मुख्य समाचारों के संबंध में रिपोर्टिंग करना सम्मिलित है तथा जिन्होंने कम से कम पांच वर्ष की सेवा की हो।

‘वरिष्ठ कैलीग्राफिस्ट’ या ‘वरिष्ठ आर्टिस्ट’ या ‘प्रमुख पुस्तकाध्यक्ष’ अथवा ‘वरिष्ठ सूची सहायक’ वे व्यक्ति हैं जो क्रमशः प्रमुख कैलीग्राफिस्ट, प्रमुख आर्टिस्ट, प्रमुख पुस्तकाध्यक्ष तथा प्रमुख सूची सहायक को सहयोग देते हैं तथा जिन्होंने कम से कम 5 वर्ष की सेवा की हो।

वर्ग-3

'उप सम्पादक' वह व्यक्ति है जो सभी विषय क्षेत्रों के समाचार मर्दों को प्राप्त करने, खनन करने, छोटा करने, संक्षिप्त करने, विस्तृत करने, अनुवाद करने तथा सम्पादित करने का काम करता है तथा मुख्य शीर्ष देता है और इनमें से कुछ या सभी कार्य कर सकता है।

'रिपोर्टर' वह व्यक्ति है जो किसी विशेष केन्द्रों में समाचार एकत्र तथा प्रस्तुत करता है।

'संवाददाता' वह व्यक्ति है जो प्रकाशन के केन्द्र के अतिरिक्त किसी अन्य केन्द्र से समाचार एकत्र करता है तथा इसे वायरलेस, डाक या अन्य साधनों द्वारा भेजता है।

'समाचार फोटोग्राफर' वह व्यक्ति है जो फोटोग्राफों के माध्यम से आम रुचि की घटनाओं को प्रस्तुत करता है।

'आर्टिस्ट' वह व्यक्ति है जो चित्रों, विन्यासों, नक्शों, ग्राफों या अन्य समान प्रकार के अंशकरणों तथा किसी प्रकार की रचनात्मक कला को प्रकाशन हेतु तैयार करता है तथा इन कार्यों में से कुछ या सभी कार्य कर सकता है।

'कैलीग्राफिस्ट' ऐसा कलाकार होता है जो पत्रकारिता संबंधी कार्य तथा कैलीग्राफ मामले भी निष्पादित करता है।

'पुस्तकाध्यक्ष' या 'सूची सहायक' वह व्यक्ति है जो ऐसे समाचारों तथा विचारों से संबंधित रिकार्ड तैयार तथा अनुरक्षित करता है जिसका मौजूदा कहानी के साथ उपयोग हेतु पृष्ठभूमि के रूप में प्रयोग किया जाता है। इनमें से किसी भी कार्य को न करने वाले व्यक्ति को इसमें शामिल नहीं किया जायेगा।

'प्रमुख प्रूफ रीडर' एक या अधिक रीडरों के कार्य का आबंटन तथा निरीक्षण करता है और पारी का इंचार्ज होता है।

वर्ग-3 ए

'प्रूफ रीडर' वह व्यक्ति है जो सम्पादक की प्रति से प्रूफ की मुद्रित सामग्री की जांच करता है ताकि पूर्ववर्ती की उत्तरवर्ती के साथ अनुरूपता को सुनिश्चित किया जा सके। वह वास्तविक विसंगतियों, वर्तनी की अशुद्धियों, व्याकरण की अशुद्धियों एवं वाक्य रचना की गलतियों का भी पता लगाता है तथा उन्हें वह या तो स्वयं सही करता है या सही करवाता है।

टिप्पणी :

- (1) पद संबंधी ये परिभाषाएं बोर्ड के निर्णयों पर निर्भर करेंगी। ये निर्णय बोर्ड द्वारा 29-07-98 को गठित उप-समितियों की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद लिए जायेंगे।
- (2) समाचार पत्र के किसी भी कर्मचारी को उसी वर्ग का श्रमजीवी पत्रकार माना जाएगा, अनुसूची में उल्लिखित जिस वर्ग के जैसा वह कार्य करता हो, भले ही उसका पदनाम अनुसूचियों में उल्लिखित पदनाम से भिन्न ही क्यों न हो।

तालिका-1

समाचार पत्र प्रतिष्ठान

श्रमजीवी पत्रकार

प्रतिष्ठान की श्रेणी	कर्मचारियों का समूह	वेतनमान	वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)
(600 करोड़ रु. या उससे अधिक)	1	22500/- रु. से कम नहीं	
1 बी	1ए	रु. 10210-460-13430-605-17665-795-22435	20
		(7) (7) (6)	
	1बी	रु. 9400-425-12375-555-16260-730-20640	20
		(7) (7) (6)	
	2	रु. 8685-390-11415-515-15020-675-19070	20
		(7) (7) (6)	

(1)	(2)	(3)	(4)
	2ए	रु. 6910-310-9080-410-11950-540-15190 (7) (7) (6)	20
	3	रु. 6250-280-8210-370-10800-485-13710 (7) (7) (6)	20
	3ए	रु. 5610-255-7395-335-9740-440-12380 (7) (7) (6)	20
	4	रु. 4860-220-6400-290-8430-380-10710 (7) (7) (6)	20
(200 करोड़ रु. और इससे अधिक किन्तु 600 करोड़ रु. से कम)	1	21800/-रु. से कम नहीं ।	
	1ए	रु. 9880-445-12995-585-17090-770-21710 (7) (7) (6)	20
1ए	1बी	रु. 9105-410-11975-540-15755-710-20015 (7) (7) (6)	20
	2	रु. 8425-380-11085-500-14585-655-18515 (7) (7) (6)	20
	2ए	रु. 6700-300-8800-395-11565-520-14685 (7) (7) (6)	20
	3	रु. 6065-275-7990-360-10510-475-13360 (7) (7) (6)	20
	3ए	रु. 5455-245-7170-325-9445-425-11995 (7) (7) (6)	20
	4	रु. 4730-215-6235-280-8195-370-10415 (7) (7) (6)	20
(50 करोड़ रुपये और उससे अधिक, लेकिन 200 करोड़ रु. से कम)	1	18200/-रुपये से कम नहीं	
	1ए	रु. 9660-340-12040-420-14980-525-18130 (7) (7) (6)	20
	1बी	रु. 8910-310-11080-390-13810-485-16720 (7) (7) (6)	20
I	2	रु. 8250-290-10280-360-12800-450-15500 (7) (7) (6)	20
	2ए	रु. 6565-230-8175-285-10170-355-12300 (7) (7) (6)	20

(1)	(2)	(3)	(4)
	3	रु. 5940-210-7410-260-9230-325-11180	20
		(7) (7) (6)	
	3ए	रु. 5350-190-6680-235-8325-290-10065	20
		(7) (7) (6)	
	4	रु. 4640-165-5795-205-7230-255-8760	20
		(7) (7) (6)	
(25 करोड़ रुपये और	1	17700/-रु. से कम नहीं	
उससे अधिक, लेकिन	1ए	रु. 9420-330-11730-410-14600-510-17660	20
50 करोड़ रु. से कम)		(7) (7) (6)	
II	1बी	रु. 8610-300-10710-375-13335-465-16125	20
		(7) (7) (6)	
	2	रु. 7960-280-9920-350-12370-435-14980	20
		(7) (7) (6)	
	2ए	रु. 6295-220-7835-275-9760-340-11800	20
		(7) (7) (6)	
	3	रु. 5785-200-7185-250-8935-315-10825	20
		(7) (7) (6)	
	3ए	रु. 5215-185-6510-230-8120-915-9830	20
		(7) (7) (6)	
	4	रु. 4450-155-5535-195-6900-240-8340	20
		(7) (7) (6)	
(10 करोड़ रु. तथा उससे	1	14700/-रु. से कम नहीं	
अधिक, लेकिन 25 करोड़	1ए	रु. 9210-250-10820-270-12710-320-14630	20
रुपये से कम)		(7) (7) (6)	
III	1बी	रु. 8310-210-9780-245-11495-290-13235	20
		(7) (7) (6)	
	2	रु. 7665-190-8995-225-10570-265-12160	20
		(7) (7) (6)	
	2ए	रु. 6010-150-7060-175-8285-210-9545	20
		(7) (7) (6)	
	3	रु. 5630-140-6610-165-7765-195-8935	20
		(7) (7) (6)	
	3ए	रु. 4960-125-5835-145-6850-170-7870	20
		(7) (7) (6)	
	4	रु. 4500-110-5070-125-5945-150-6845	20
		(7) (7) (6)	

(1)	(2)	(3)	(4)
(5 करोड़ रु. और उससे ज्यादा, लेकिन 10 करोड़ रुपये से कम)	1 1ए	14100/- रु. से कम नहीं रु. 8850-220-10390-260-12210-305-14040 (7) (7) (6)	20
IV	1बी	रु. 7840-195-9205-230-10810-270-12435 (7) (7) (6)	20
	2	रु. 7370-185-8665-215-10170-255-11700 (7) (7) (6)	20
	2ए	रु. 5815-145-6830-170-8020-200-9220 (7) (7) (6)	20
	3	रु. 5470-135-6415-160-7535-190-8675 (7) (7) (6)	20
	3ए	रु. 4705-120-5545-140-6525-165-7515 (7) (7) (6)	20
	4	रु. 4190-105-4925-125-5800-145-6670 (7) (7) (6)	20
(2 करोड़ रु. तथा उससे ज्यादा लेकिन 5 करोड़ रुपये से कम)	1 1ए	13600/-रु. से कम नहीं रु. 8535-215-10040-250-11790-295-13560 (7) (7) (6)	20
V	1बी	रु. 7315-185-8610-215-10115-255-11645 (7) (7) (6)	20
	2	रु. 6845-170-8035-200-9435-235-10845 (7) (7) (6)	20
	2ए	रु. 5470-135-6415-160-7535-190-8675 (7) (7) (6)	20
	3	रु. 5305-135-6250-155-7335-185-8445 (7) (7) (6)	20
	3ए	रु. 4395-110-5165-130-6075-150-6975 (7) (7) (6)	20
	4	रु. 4075-100-4775-120-5615-140-6455 (7) (7) (6)	20
(1 करोड़ रु. और उससे अधिक, लेकिन 2 करोड़ रु. से कम)	1 1ए	12100/-रु. से कम नहीं रु. 7605-190-8935-225-10510-265-12100 (7) (7) (6)	20
VI	1बी	रु. 7255-180-8515-215-10020-250-11520 (7) (7) (6)	20
	2	रु. 6610-165-7765-195-9130-230-10510 (7) (7) (6)	20

(1)	(2)	(3)	(4)
	2ए	रु. 5290-135-6235-155-7370-185-8430 (7) (7) (6)	20
	3	रु. 5090-130-6000-150-7050-175-8100 (7) (7) (6)	20
	3ए	रु. 4200-105-4935-125-5810-145-6680 (7) (7) (6)	20
	4	रु. 3960-100-4660-115-5465-135-6275 (7) (7) (6)	20
(50 लाख रु. और उससे अधिक, लेकिन 1 करोड़ रुपये से कम)	1	9500/रु. से कम नहीं	
	1ए	रु. 6500-130-7410-150-8460-170-9480 (7) (7) (6)	20
VII	1बी	रु. 6275-125-7150-145-8165-165-9155 (7) (7) (6)	20
	2	रु. 5645-115-6450-130-7360-150-8260 (7) (7) (6)	20
	2ए	रु. 5015-100-5715-115-6520-130-7300 (7) (7) (6)	20
	3	रु. 4645-95-5310-105-6045-120-6765 (7) (7) (6)	20
	3ए	रु. 3905-80-4465-90-5095-100-5695 (7) (7) (6)	20
	4	रु. 3720-75-4245-85-4840-95-5410 (7) (7) (6)	20
(50 लाख रुपये से कम)	1	8400/रुपये से कम नहीं	
VIII	1ए	रु. 5760-115-6565-130-7475-150-8375 (7) (7) (6)	20
	1बी	रु. 5575-10-6345-125-7220-145-8090 (7) (7) (6)	20
	2	रु. 5155-105-5890-120-6730-135-7540 (7) (7) (6)	20
	2ए	रु. 4425-90-5055-100-5755-115-6445 (7) (7) (6)	20
	3	रु. 3850-80-4410-90-5040-100-5640 (7) (7) (6)	20
	3ए	रु. 3765-75-4190-85-4805-100-5485 (7) (7) (6)	20
	4	रु. 3610-75-4135-85-4730-95-5300 (7) (7) (6)	20

तालिका-II
महंगाई भत्ता
(पैरा 11 देखें)

मूल वेतनमान	त्रैमासिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर देय महंगाई भत्ते के निर्धारण हेतु निम्नभावीकरण की दर
1. 4500/- रु. तक	मूल वेतनमान का 100 प्रतिशत
2. 4501/- रु. से 6500/- रु. के बीच	मूल वेतनमान का 80 प्रतिशत या 4500/रु. का 100 प्रतिशत, जो भी अधिक हो
3. 6501/- रु. से 9000/- रु. के बीच	मूल वेतनमान का 60 प्रतिशत या 6500/- रु. का 80 प्रतिशत, जो भी अधिक हो
5. 9001/- रु. से 12000/रु. के बीच	मूल वेतनमान का 45 प्रतिशत या 9000/- रु. का 60 प्रतिशत, जो भी अधिक हो
5. 12001/- रु. से ऊपर	मूल वेतनमान का 40 प्रतिशत या 12000/- रु. का 45 प्रतिशत, जो भी अधिक हो।

महंगाई भत्ते की गणना के लिए सूत्र

संबद्ध तिमाही वर्ष 1998 के लिये क्षेत्रीय
का औसत क्षेत्रीय —उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
सूचकांक (यानी, 1997 की अंतिम तिमाही)

महंगाई भत्ता = ----- × निम्नभावीकरण की दर × मूल वेतनमान

वर्ष 1998 के लिए क्षेत्रीय उपभोक्ता
मूल्य सूचकांक (यानी 1997 की
अंतिम तिमाही)

तालिका III
मकान किराया भत्ते की दरें (प्रतिमाह मूल वेतनमान का प्रतिशत)
(पैरा 12 देखें)

क्षेत्र

समाचार प्रतिष्ठान की श्रेणी	क दिल्ली, मुम्बई कलकत्ता, चेन्नई	ख राज्य की राजधानियां तथा 20 लाख से अधिक की आबादी वाले नगर/शहर	ग 10 से 20 लाख के बीच की आबादी वाले नगर/शहर	घ 10 लाख से कम आबादी वाले नगर/शहर
I बी	30	25	20	18
I ए	25	20	18	15
I	20	18	15	12
II	18	16	13	11
III	17	14	11	10
IV	16	12	10	9
V	15	10	9	8
VI	14	9	8	7
VII	13	8	7	6
VIII	12	7	6	5

तालिका IV

(प्रतिमाह नगर प्रतिपूरक भत्ते की दरें)

(पैरा 13 देखें)

क्षेत्र

मूल वेतनमान का दायरा	क दिल्ली, मुम्बई कलकत्ता, चेन्नई	ख राज्य की राजधानियां तथा 20 लाख से अधिक की आबादी वाले नगर/शहर (राशि रु. में)	ग 10 लाख से 20 लाख तक की आबादी वाले नगर/शहर	घ 10 लाख से कम आबादी वाले नगर/शहर
3000 रु. से कम	90	65	45	25
3000 रु. से 4499 रु.	125	95	65	35
4500 रु. से 5999 रु.	200	150	100	65
6000 रु. तथा उससे अधिक	300	240	180	120

तालिका V

(रात्रिकालीन कार्य भत्ते की दरें)

(पैरा 14 देखें)

समाचार प्रतिष्ठान की श्रेणी	प्रति रात्रिकालीन कार्य की दरें
I बी	45 रुपये
I ए	35 रुपये
I	35 रुपये
II	30 रुपये
III	30 रुपये
IV	25 रुपये
V	25 रुपये
VI	20 रुपये
VII	20 रुपये
VIII	10 रुपये

टिप्पणी : एक महीने में 15 रात से ज्यादा रात्रिकालीन ड्यूटी करने पर दरें 50 प्रतिशत ज्यादा होंगी।

तालिका VI

(चिकित्सा भत्ता)

(पैरा 15 देखें)

उपचार का प्रमाण पत्र होने तथा निम्नानुसार-सीमा होने पर प्रतिवर्ष चिकित्सा-व्यय की प्रतिपूर्ति।

श्रेणी	चिकित्सा भत्ता (प्रतिवर्ष अधिकतम सीमा)
I बी, I ए, तथा	वेतनमान के न्यूनतम पर एक माह का मूल वेतन
II और III	वेतनमान के न्यूनतम पर 20 दिन का मूल वेतन
IV तथा V	वेतनमान के न्यूनतम पर 15 दिन का मूल वेतन
VI, VII तथा	वेतनमान के न्यूनतम पर 10 दिन का मूल वेतन
VIII	

तालिका VII

(बाल शिक्षा भत्ता)

(पैरा 16 देखें)

श्रेणी	दो बच्चों तक स्कूल जाने वाले प्रति बच्चों के लिए दरें
I बी, I ए, तथा I	प्रति बच्चा 100 रु. प्रतिमास या ट्यूशन की वास्तविक रूप से दी गई राशि, जो भी कम हो।
II से IV	प्रति बच्चा 75 रु. प्रतिमास या ट्यूशन की वास्तविक रूप से दी गई राशि, जो भी कम हो।
V से VIII	प्रति बच्चा 40 रु. प्रतिमास या ट्यूशन की वास्तविक रूप से दी गई राशि, जो भी कम हो।

तालिका VIII

(अवकाश यात्रा भत्ता)

(पैरा 18 देखें)

श्रेणी	अवकाश यात्रा भत्ते की दरें
I बी, I ए, तथा I	वेतनमान के न्यूनतम पर एक माह का मूल वेतन
II और IV	वेतनमान के न्यूनतम पर तीन सप्ताह का मूल वेतन
V से VIII	वेतनमान के न्यूनतम पर 15 दिन का मूल वेतन

टिप्पणी : 1. अवकाश यात्रा भत्ता दो वर्ष में एक बार स्वीकार्य होगा।

2. अवकाश यात्रा भत्ता मिलना अवकाश मिलने तथा की गई यात्रा के प्रमाणस्वरूप जरूरी कागजात पेश करने पर निर्भर करेगा।